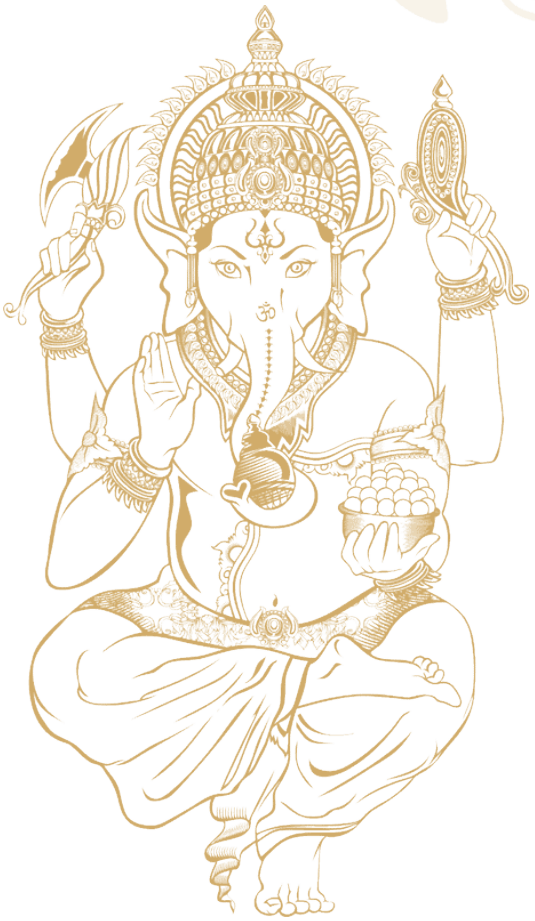

# Prince

# Jigyasa

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121360709

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 24/02/1992 | जन्म तिथि | 22/01/1996 |
| सोमवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 18:45:00 | जन्म समय | 09:00:00 घंटे |
| घटी 29:41:20 | जन्म समय(घटी) | 04:24:48 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Kanpur |
| 28:39:00 उत्तर | अक्षांश | 26:27:00 उत्तर |
| 77:13:00 पूर्व | रेखांश | 80:19:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:08:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:52:27 | सूर्योदय | 06:57:39 |
| 18:16:52 | सूर्यास्त | 17:42:50 |
| 23:45:09 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:15 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुरु 1वर्ष 0मा 11दि | 18:21:30 | सिंह | लग्न | कुंभ | 13:42:46 | मंगल 3वर्ष 4मा 0दि |
| बुध | 11:25:53 | कुंभ | सूर्य | मक | 07:34:48 | गुरु |
| 07/03/2012 | 02:28:28 | वृश्चि | चंद्र | कुंभ | 00:18:55 | 23/05/2017 |
| 07/03/2029 | 11:07:13 | मक | मंगल | मक | 16:57:19 | 23/05/2033 |
| बुध 03/08/2014 | 21:36:06 | कुंभ | बुध व | मक | 00:11:50 | गुरु 11/07/2019 |
| केतु 31/07/2015 | 16:30:50 | सिंह व | गुरु | धनु | 10:22:14 | शनि 22/01/2022 |
| शुक्र 31/05/2018 | 13:28:21 | मक | शुक्र | कुंभ | 14:39:20 | बुध 29/04/2024 |
| सूर्य 07/04/2019 | 18:30:02 | मक | शनि | कुंभ | 27:18:50 | केतु 05/04/2025 |
| चन्द्र 05/09/2020 | 14:19:48 | धनु व | राहु व | कन्या | 26:48:17 | शुक्र 05/12/2027 |
| मंगल 02/09/2021 | 14:19:48 | मिथु व | केतु व | मीन | 26:48:17 | सूर्य 22/09/2028 |
| राहु 22/03/2024 | 22:55:18 | धनु | हर्ष | मक | 06:46:28 | चन्द्र 22/01/2030 |
| गुरु 28/06/2026 | 24:22:28 | धनु | नेप | मक | 01:40:19 | मंगल 29/12/2030 |
| शनि 07/03/2029 | 29:12:15 | तुला | प्लूटो | वृश्चि | 08:45:38 | राहु 23/05/2033 |

**लग्न-चलित**

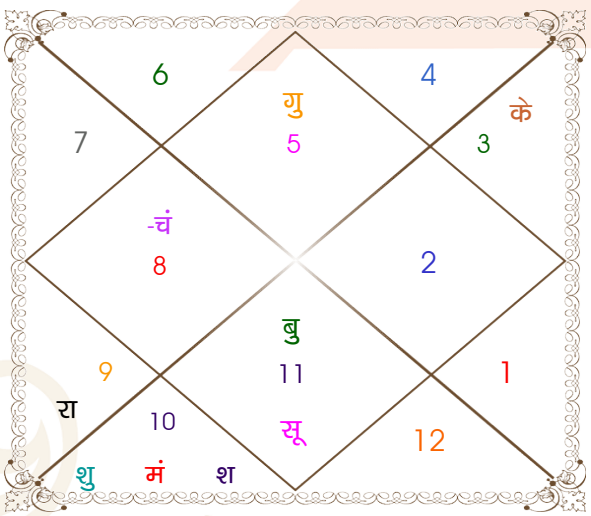


**लग्न-चलित**

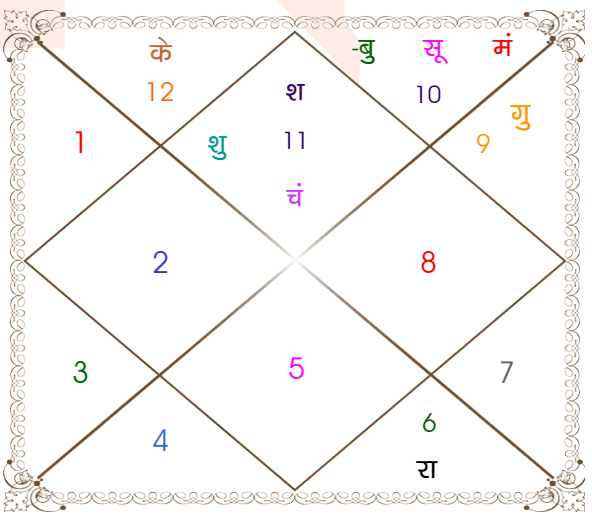

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | व्याघ्र | सिंह | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.00 | | |

Prince का वर्ग सर्प है तथा Jigyasa का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prince और Jigyasa का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Prince मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Jigyasa मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jigyasa कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Prince कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Prince तथा Jigyasa में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।